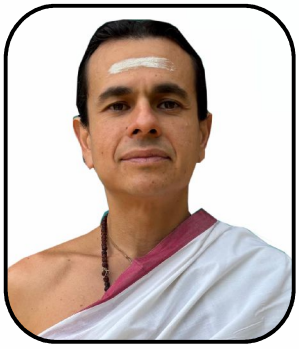

ACHARYA JONAS MASETTI

Acharya Jonas Masetti is a Vedanta Acharya, the founder and Director of Vishva Vidya, an organization dedicated to the teaching and dissemination of Vedanta, Sanskrit, and Vedic culture.

2. Born on 23rd May, 1981, Acharya Masetti graduated in Mechanical Engineering from the Instituto Militar de Engenharia (IME). Before dedicating himself fully to Vedanta, he was an entrepreneur who built a successful company and career in the stock market. However, seeing that the material worldly life wouldn't answer his need for happiness and freedom from suffering, he found on the knowledge of Vedanta and Yoga his way of life and, after his studies, he attended his call to become an acharya and reached a global audience, leaving his previous career behind to focus entirely on teaching. He also studied under the guidance of Swami Dayananda Saraswati and Swami Sakshatkrtananda at the Arsha Vidya Gurukulam in Tamil Nadu, where he lived in complete immersion for four and a half years, receiving direct transmission of Vedanta, from his teachers He was introduced to Vedanta by Santosh Vallury, his first teacher and Gloria Arieira, the oldest and prominent teacher of Vedanta in Brazil.

3. Acharya Masetti's teachings gained international recognition in 2020, when he was mentioned by Prime Minister Shri Narendra Modi on the national Indian channel “Mann Ki Baat", where he was acknowledged as an Ambassador of the Vedic Tradition in the Americas. His work has reached over 250,000 people, expanding beyond cultural and linguistic barriers through structured courses, online classes and immersive cultural retreats.

4. Acharya Masetti founded the first Gurukulam of Vedanta of his lineage. In 2024, in Brazil, located in Petropolis, creating a dedicated space for traditional study, contemplation, and deep immersion in Vedanta, where new teachers can be trained. His approach integrates modern technology with traditional teaching, making Vedanta more accessible while maintaining the depth and authenticity of the teachings. Currently, he leads a meditation program that attends more than 108,000 participants in Brazil, reinforcing his mission of bringing self-knowledge and spiritual wisdom to people worldwide. His influence continues to grow, consolidating him as one of the most prominent Vedanta teachers in the Portuguese-speaking world. Currently he is expanding his reach into English-speaking audiences and organizing yatras in Brazil where foreigners can learn Vedanta and also have contact with the ancient native culture of Brazil, from where he comes from.

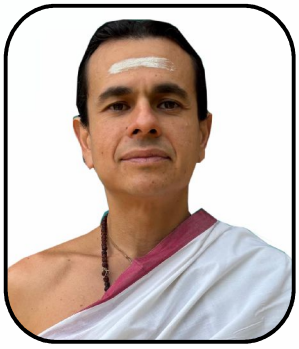

आचार्य जोनस् मज़ेट्टी

आचार्य जोनस् मज़ेट्टी एक वेदांत आचार्य और विश्व विद्याके संस्थापक तथा निदेशक हैं जो वेदांत, संस्कृत और वैदिक संस्कृति के शिक्षण व प्रसार के लिए समर्पित एक संगठन है।

2. 23 मई 1981 को जन्मे, आचार्य मज़ेट्टी ने इंस्टीट्यूटो मिलिटर डी इंजेन्हारिया (आईएमई) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया है। वेदांत के लिए पूरी तरह खुद को समर्पित करने से पहले, वह एक उद्यमी थे, जिन्होंने एक कामयाब कंपनी स्थापित की और शेयर बाजार में करियर बनाया। हालांकि, यह महसूस करते हुए कि भौतिक सांसारिक जीवन खुशी और कष्ट से मुक्ति की उनकी जरूरत को पूरी नहीं कर सकता, उन्होंने वेदांत और योग के ज्ञान को अपनी जीवनशैली बना लिया और, अपनी पढ़ाई के बाद, उन्होंने आचार्य बनने की अपनी दिली पुकार को सुना और दुनिया भर के लोगों तक पहुंचे। उन्होंने पूरी तरह से शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने पिछले करियर को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती और तमिलनाडु स्थित अर्श विद्या गुरुकुलम में स्वामी साक्षातकृतानंद के मार्गदर्शन में भी अध्ययन किया जहां वह साढ़े चार साल तक अध्ययन में डूबे रहे और अपने शिक्षकों से वेदांत की सीधी शिक्षा प्राप्त की। वेदांत से उनका परिचय उनके पहले शिक्षक संतोष वल्लूरी तथा ब्राजील में वेदांत की सबसे पुरानी और प्रख्यात शिक्षिका ग्लोरिया एरीरा ने कराया था।

3. आचार्य मज़ेट्टी की शिक्षाओं को 2020 में अंतरराष्ट्रीय मान्यता तब मिली, जब प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय भारतीय चैनल 'मन की बात' पर उनका उल्लेख किया, जिसमें उन्हें अमेरिका में वैदिक परंपरा का दूत कहा गया। उनकी शिक्षा संरचित पाठ्यक्रमों, ऑनलाइन कक्षाओं और इमर्सिव कल्चरल रिट्रीट के माध्यम से संस्कृति और भाषा की सीमाओं से परे विस्तार करते हुए 250,000 से अधिक लोगों तक पहुंची है।

4. आचार्य मज़ेट्टी ने 2024 में ब्राज़ील के पेट्रोपोलिस में अपनी परम्परा का पहला वेदांत गुरुकुलम स्थापित किया जो वेदांत के पारंपरिक अध्ययन, चिंतन और उसमें गहराई तक डूबने के लिए एक समर्पित स्थान है और जहां नए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा सकता है। उनका दृष्टिकोण आधुनिक तकनीक को पारंपरिक शिक्षण के साथ एकीकृत करते हुए वेदांत को अधिक सुलभ बनाता है, साथ ही शिक्षा की गहराई और प्रमाणिकता को बरकरार रखता है। वर्तमान में, वह एक ध्यान कार्यक्रम चलाते हैं जिसमें ब्राज़ील में 108,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल होते हैं। यह दुनिया भर के लोगों में आत्म–ज्ञान और आध्यात्मिक बुद्धि लाने के उनके मिशन को और मजबूत बनाता है। उनका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है, और वह पुर्तगाली भाषा भाषियों के बीच सबसे प्रमुख वेदांत शिक्षकों में से एक बन कर उभरे हैं। अब वह अंग्रेजी भाषी लोगों तक अपनी पहुंच का विस्तार कर रहे हैं और ब्राजील में यात्राएं आयोजित कर रहे हैं ताकि विदेशी लोग वेदांत का अध्ययन कर सकें और साथ ही ब्राजील, जहां के वह मूल निवासी हैं, की प्राचीन स्वदेशी संस्कृति के साथ संपर्क स्थापित कर सकें।